B.Com II (Hons) Corporate Accounting Page 1

Redemption of Debenture

Q. ऋण पत्रों के भुगतान की विधियाँ बताइये।

Ans: (Method of Redemption of Debentures)

ऋण पत्रों के भुगतान की अग्रलिखित विधियाँ हैं—

(1) एकमुश्त भुगतान (Lump Sum Payment)

(2) वार्षिक किश्तों में भुगतान (Payment in Annual Instalment or by Drawing of Lots)

(3) खुले बाजार में अपने ऋण पत्रों का क्रय करना (Purchase of Own Debentures in Open Market)

(4) अंशों या ऋण पत्रों में परिवर्तन द्वारा (Payment by Conversion in Shares or Debentures)

ऋण पत्रों के शोधन की विधियाँ

- एकमुश्त भुगतान विधि
  - परिपक्वता तिथि के समय
  - परिपक्वता से पहले
- वार्षिक किश्त विधि
  - लॉटरी द्वारा
  - क्रय द्वारा
- खुले बाजार से क्रय
- परिवर्तन विधि

(1) निश्चित अवधि के अन्त में ऋण पत्रों का एकमुश्त भुगतान (Lump Sum Payment on Maturity) — इस विधि के अन्तर्गत एक कम्पनी ऋण पत्रों की अवधि समाप्त होने पर भुगतान ऋण पत्र धारकों को एकमुश्त में करती है। ऋण पत्रों का भुगतान परिपक्वता से पहले भी हो सकता है यदि ऋण पत्र शर्तों में इसकी व्यवस्था है। इस विधि के अन्तर्गत ऋण पत्रों का शोधन कभी भी किया जा सकता है। ऋण पत्रों का शोधन सममूल्य पर या अधिमूल्य (Premium) पर हो सकता है।

(2) वार्षिक आहरण या लॉटरी के द्वारा भुगतान (Annual Drawings or Draw of Lots) — इस विधि के अन्तर्गत ऋण पत्रों का शोधन प्रतिवर्ष किश्तों में लॉटरी द्वारा चयन करके किया जाता है। वार्षिक आहरण की राशि का बराबर होना आवश्यक नहीं है।

(3) खुले बाजार में अपने ऋण पत्रों का क्रय करना (Purchase of Own Debentures in Open Market) — इस विधि के अन्तर्गत एक कम्पनी अपने ऋण पत्रों के दायित्व का आंशिक भुगतान करती है। ऋण पत्रों को खुले बाजार से क्रय करके करती है। एक कम्पनी

Scanned with CamScanner

अपने ऋण-पत्रों को खुले बाजार से क्रय करके, या तो उन्हें रद्द कर देती है या उन्हें विनियोग के रूप में रखती है। सामान्यतः एक कम्पनी अपने ऋण-पत्र खरीदने में उस समय इच्छुक होती है जब ऋण-पत्रों की ब्याज दर बाजार की वर्तमान ब्याज दर से काफी ऊँची होती है।

(4) परिवर्तन द्वारा शोधन (Redemption by Conversion) - इस विधि के अन्तर्गत पुराने ऋण-पत्रों का शोधन इन्हें अंशों या नये प्रकार के ऋणपत्रों में परिवर्तन करके किया जाता है। परिवर्तन का विकल्प ऋण-पत्र धारकों को या तो निर्गमन के समय अथवा शोधन के समय दिया जाता है। ऋण-पत्र धारक इस विकल्प को स्वीकृत या अस्वीकृत कर सकते हैं। यदि ऋणपत्र धारकों को परिवर्तन का प्रस्ताव लाभदायक लगता है तो वे इस प्रस्ताव को स्वीकार करते हैं। इन दशाओं में ऋण-पत्रों को सममूल्य पर, प्रीमियम पर अथवा बट्टे पर निर्गमित किया जा सकता है।

Dr Jagdish Prasad Barshantri
Deptt of commerce
Dr L.K.V.D. College Tajpur
Date-01/10/2020